राजस्थान के सभ्यता स्थल नोट्स

❑कालीबंगा (हनुमानगढ़)-

- सर्वप्रथम खोज: सन् 1952 में श्री अमलानंद घोष द्वारा।
- उत्खनन: बी.बी. लाल एवं बी.के. थापर द्वारा 1961 से 1969 तक।
- स्थितिः हनुमानगढ़ जिले में प्राचीन सरस्वती (वर्तमान घग्घर) नदी के तट पर।
- यहाँ पूर्व हड़प्पा कालीन सभ्यता (2400 ई. पूर्व) एवं हड़प्पा कालीन सभ्यता [2350-1750 वर्ष ई. पूर्व (कार्बन डेटिंग पद्धति के अनुसार)। के अवशेष मिले हैं। यह एक नगर प्रधान सभ्यता थी।
- मकान कच्ची एवं पक्की ईंटों (30×20×10 सेमी. के आकार की) के बनाये गए थे।
- गंदे पानी के निकास हेतु पक्की ईंटों की नालियाँ एवं शोषण पात्रों का प्रयोग।
- कालीबंगा में प्राप्त चूल्हे वर्तमान तंदूर के समान थे।
- यहाँ की बस्ती एक सुरक्षात्मक दीवार (परकोटे) से सुरक्षित की गई थी। यह उत्तर से दक्षिण 250 मी. लम्बी तथा पूर्व से पश्चिम 180 मी. की थी।
- परकोटे के बाहर विश्व में एक जुते हुए खेत का प्राचीनतम (पहला) प्रमाण मिले है।
- कालीबंगा निवासी शव को गाड़ते थे। यहाँ एक कब्र मिली है।
- मोहनजोदड़ो हड़प्पा की भांति मातृशक्ति एवं लिंग आदि मूर्तियाँ यहां नहीं मिली।

Download More PDF's
WWW.RAJASTHANCLASSES.IN

❑आहड़ (उदयपुर)-

प्राचीन नामः ताम्रवती नगरी, आघाटपुर, आघाटदुर्ग (बनास संस्कृति)

• बनास की सहायक नदी बेड़च के किनारे आहड़ गाँव के एक ऊँचे टीले धूलकोट का उत्खनन।

• उत्खननः सर्वप्रथम 1954 ई. आर.सी. अग्रवाल व तत्पश्चात् 1961-62 में वी.एन. मिश्रा एवं एच.डी. सांकलिया द्वारा 11800 ई.पू. से 1200 ई.पू. की ताम्रयुगीन सभ्यता के अवशेष प्राप्त।

• मकानों में एक से अधिक चूल्हे प्राप्त हुए हैं, जो बड़े परिवार या सामूहिक भोजन व्यवस्था

• के प्रतीक है। मातृदेवी एवं बैल की मृण्मूर्ति प्राप्त ।

• प्रमुख उद्योग- ताँबा गलाना व उसके उपकरण बनाना। एक घर में ताँबा गलाने की भट्टी प्राप्त।

• यहाँ ताँबे की खदानें भी मिली हैं। ताँबे का निष्कर्षण यहीं करते थे।

• यहाँ प्राप्त अनाज रखने के बड़े भाण्डों को बंकोर, कोठे या गोरे कहते थे।

सभी प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए
राजस्थान क्लासेज

❑गिलूण्ड (राजसमंद)

• बनास नदी के पास गिलूण्ड में ताम्रयुगीन सभ्यता एवं बाद के अवशेष मिले हैं।

❑बागोर (भीलवाड़ा)

• कोठारी नदी के पास इस कस्बे के टीले का उत्खनन 1967-69 में डॉ. वी.एन. मिश्र व डॉ. एल. एस. लैशनि द्वारा करवाया गया। मध्य पाषाण कालीन संस्कृति के अवशेष प्राप्त ।

❑बालाथल (उदयपुर)

• उत्खनन 1993 में। ताम्र पाषाण युगीन सभ्यता (3000 ई. पू. से 2500 ई. पू. तक)।

❑रंगमहल (हनुमानगढ़)

• रंगमहल घग्घर नदी के पास स्थित है। डॉ. हन्नारिड़ के निर्देशन में 1952-54 ई. में खुदाई।

• कुषाणकालीन एवं पूर्व गुप्तकालीन सभ्यता के अवशेष प्राप्त मृण्मूर्तियाँ गाँधार शैली की हैं।

सभी प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए
राजस्थान क्लासेज

❑बैराठ (कोटपूतली-बहरोड़)

• प्राचीन मत्स्य जनपद की राजधानी विराट नगर में बीजक की पहाड़ी, भीमजी की डूंगरी व महादेव जी डूंगरी आदि स्थानों में प्रथम बार उत्खनन कार्य दयाराम साहनी द्वारा 1936-37 ई. में।

• उत्खनन में मौर्यकालीन व उससे पूर्व की सभ्यताओं के अवशेष प्राप्त। बीजक की पहाड़ी से अशोक कालीन गोल बौद्ध मंदिर व बौद्ध मठ के अवशेष मिले है जो हीनयान सम्प्रदाय से संबंधित है।

• यहाँ के लोगों का मुख्य व्यवसाय कृषि व पशुपालन था। खाद्यान्न में गेहूँ व चावल का प्रयोग।

• सूती कपड़े में बँधी मुद्राएँ व पंचमार्क सिक्के मिले हैं।

❑नगरी (मध्यमिका) (चित्तौड़गढ़)

• उत्खनन सर्वप्रथम 1904 में डॉ. भण्डारकर द्वारा। यहाँ शिवि जनपद के सिक्के एवं गुप्तकालीन कला के अवशेष प्राप्त हुए हैं।

सभी प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए
राजस्थान क्लासेज

❑नोह (भरतपुर)

• चित्रित सलेटी रंग एवं गैरू रंग के पात्रों के अवशेष प्राप्त।

❑गणेश्वर(नीम का थाना)

- काँतली नदी के किनारे एक टीले पर उत्खनन कार्य ।
- उत्खनन पूर्व हड़प्पा कालीन में ताम्रयुगीन उपकरण कुल्हाड़े आदि बड़ी मात्रा में मिले है। भारत में किसी स्थान पर एक साथ इतने उपकरण प्रथम बार मिले हैं।
- ताम्रयुगीन सभ्यता के अवशेष जो 2800 ई.पू. में विकसित हुई।
- ताम्रयुगीन संस्कृतियों में सबसे प्राचीन सभ्यता।

❑जोधपुरा (जयपुर ग्रामीण)

- शुंग एवं कुषाण कालीन सभ्यता के अवशेष तथा लौह उपकरण बनाने की भट्टिया प्राप्त ।

❑सुनारी (खेतड़ी-नीम का थाना)

- लोहे के अयस्क से लोहा बनाने की प्राचीनतम भट्टी प्राप्त। लोहे के शस्त्र व बर्तन भी प्राप्त ।

RAJASTHAN CLASSES
राजस्थान क्लासेज
सभी प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए
राजस्थान क्लासेज

❑तिलवाड़ा (बाड़मेर)

• लूनी नदी के किनारे स्थित। उत्खनन से ई.पू. 500 से 200 ईस्वी तक के अवशेष प्राप्त ।

❑रेढ़ (टोंक)

• पूर्व गुप्तकालीन लौहे सामग्री का विशाल भंडार प्राप्त। प्राचीन भारत का टाटा नगर के नाम से प्रसिद्ध ।

❑नगर (टोंक)

• उणियारा (टोंक) के पास स्थित । प्राचीन नाम 'मालव नगर' । बड़ी संख्या में मालव सिक्के व आहत मुद्राएँ प्राप्त।

RAJASTHAN CLASSES
राजस्थान क्लासेज

अन्य किसी भी प्रकार की PDF's के लिए
गूगल सर्च करें या क्लिक करें 👇
Google
rajasthanclasses.in

Telegram
चैनल
ज्वॉइन करें

YouTube पर
ऑनलाइन क्लासेज भी देखें

पशु परिचर 2024
सिलेबस/PDF
Just Click Now

नया राजस्थान GK
पशु परिचर 2024
Just Touch Now

राजस्थान क्लासेज
लेटेस्ट पोस्ट/न्यूज
Just Click Now

CET : BSTC : PTET : LDC
पशु परिचर 2024
(शॉर्ट नोट्स PDF)
नवीनतम राजस्थान GK
(जलवायु प्रदेश नोट्स)
(कौनसा जिला किस प्रदेश में - नवीनतम)
PDF
(कोपेन, थार्नवेट, द्विवार्थी के वर्गीकरण)

पशु परिचर 2024
PTET : CET : BSTC : LDC
राजस्थान GK PDF
(त्यौहार व मेलें)
200+
प्रश्न PDF
By - Aadarsh Sir